View Book Details

Aushdhiya Podhya Krishi Avam Upyog

Jawala Prasad Tiwari

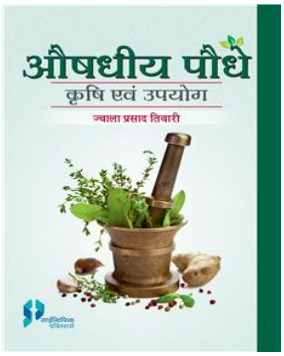

ISBN	: 9789389412215	Book Format	: Book
E-ISBN	: 9789389412222	Binding	: Hard Bound
Language	: Hindi	Edition	: 1
Imprint	: Scientific Publishers	© Year	: 2025
Pages	: 396	Trim Size	:
Weight	: Gms		

Print Book : ₹2,595.00

Individual E Book : ₹3,374.00

Institutional E Book : Price available on request

Blurb

देश के कृषि महाविद्यालयों, उद्यानिकी व वानिकी महाविद्यालयों में औषधीय व सगंध फसलों के कृषिकरण से संबंधित कोर्स संचालित किये गये हैं, परन्तु अभी तक हिन्दी में व अग्रेजी में भी ऐसी कोई एक पुस्तुक उपलब्ध नहीं है जो इन जड़ी बूटियों के कृषिकरण की अद्यतन तकनीक की विस्तृत जानकारी उपलब्ध करा सके। इसके फलस्वरूप छात्रों का विभिन्न पुस्तकों, शोध पत्रिकाओं, लेखों आदि से पठन सामग्री एकत्रित करना पड़ती है जिसमे अनावश्यक समय व धन का व्यय होता है। प्रत्येक विद्यालयों के पुस्तकालय भी ऐसे सक्षम नहीं हैं जो संपूर्ण पठन सामग्री उपलब्ध करा सकें। इस पुस्तक में विद्यालयों द्वारा प्रस्तावित सभी औषधीय प्रजातियों के कृषिकरण की तकनीक का वर्णन अद्यतन वैज्ञानिक अनुसंधानों के आधार पर किया गया है।

प्रस्तुत पुस्तक में 50 औषधीय, 17 मसाला व 20 सगंधीय फसलों जिनका औषधीय महत्व है की उन्नत कृषि तकनीक, प्रसंस्करण, उपयोग, रसायनिक संगठन, कृषिकरण में व्यय व आय का विस्तृत वर्णन किया गया है। इसके अतिरिक्त जंगलों व आसपास प्राकृतिक रूप में पाये जाने वाले 185 औषधीय गुण वाले शाकीय, क्षुप, लता व वृक्षों की पूर्वधन व रोपने की विधियां, प्रोज्य अंग व उपयोग का संक्षिप्त वर्णन तालिका में किया गया है।

औषधीय पौधों की पहचान हेतु रंगीन फोटो दिये गये हैं। इस पुस्तक की उपयोगिता कृषि, उद्यानिकी व कृषि वानिकी विस्तार के अधिकारियों, औषधीय पौधों से संबंधित अनुसंधान कर्त्ताओं, आयुर्वेद के छात्रों व शिक्षकों, वैद्यों, चिकित्सकों, कृषकों, दवा बनाने वाली कम्पनियों व सर्व जन हिताय रोगों के नियंत्रण हेतु बहुउपयोगी है।

Foreword

प्राक्कथन: -

डॉ. ज्वाला प्रसाद तिवारी
(औषधीय पौधों के विशेषज्ञ)
सेवानिवृत आधिष्ठाता
ज्वाहरलाल नेहरू कृषि विश्व विद्यालय जबलपुर
प्रांगण उद्यानिकी महाविद्यालय मंदसौर
चलदूरभाषाडक : 9685692552

Table of Contents

अनुक्रमणिका

प्रस्तावना

१. वनौषधियों के संरक्षण एवं संवर्धन की आवश्यकता

२. कृषि विकास में औषधीय \सलों की खेती का योगदान

३. औषधीय पौधों के पूर्वधन की तकनीक

४. सद मूसली

७. केयोकंद

६. कलिहारी.

७. सर्पगंधा

८. अश्वगंधा

९. इसबगोल

१०. चन्द्रसूर

११. सनाय

१२. चक्रमर्द

१३. कालमेघ

१४. मुलैठी

१५. ब्राह्मी

१६. मंडूक पर्णी

१७. कूठ

१८. कुटकी

१९. मकोय

२०. भू आँवला

२१. अतीस

२२. वत्सनाभ

२३. जटामांसी

२४. पाषाणभेद

२५. खुरासानी अजवाइन

२६. सदाबहार

२७. अकरकरा

२८. धतूरा

२९. बेलाडोना

३०. चित्रक

३१. अडूसा

३२. बावची

३३. जमीकंद

३४. घृतकुमारी

३५. सतावर

३६. कवांच

३७. रतालू

३८. गिलोय

३९. पपीता

४०. अरंडी

४१. दारु हल्दी

४२. वायविडंग

४३. मेंहदी

४४. गुग्गुल

४५. वनअरंडी

४६. जोजोबा (होहोबा)

४७. नाग\नी

४८. सिनकोना

४९. सिंदूरी

५०. अशोक

५१. सहजना

५२. अमलतास

५३. आंवला

५४. बेल

५५. हरड

५६. बेर

७७. गंभारी

७८. नीम

७९. अर्जुन

६०. औषधीय मसाला

६१. हल्दी

६२. अदरख

६३. लहसुन

६४. अ\ीम

६७. मिर्च

६६. मैथी

६७. धनियाँ

६८. जीरा

६९. अजवायन

७०. सौं\

७१. कलौंजी

७२. सोया

७३. बच (बचा)

७४. छोटी पीपल

७७. कोकम

७६. वनीला

७७. पान

७८. औषधीय सगंध \सलें

७९. सगंध पौधों से तेल निकालना

८०. मुश्कदाना

८१. जापानी पुदीना

८२. तुलसी

८३. जर्मन चमेली

८४. पचोली

८७. जिरेनियम

८६. लेवेंडर

८७. सिताब

८८. नींबू घास (गंधतराना)

८९. पामारोसा

९०. जावा घास (गैजनी)

९१. खस

९२. गेंदा

९३. रजनीगंधा

९४. सेवंती

९७. ग्लेडियोलास

९६. गुलाब

९७. स\ेद चंदन

९८. बरसेरा

९९. कालाजीरा

१००. धार्मिक व तांत्रिक महत्व के पौध

१०१. मध्यप्रदेश के खेतों एवं जंगलों में पाये जाने वाले औषधीय पौधे.

१०२. जंगलों में पाये जाने वाले औषधीय पौधे

१०३. कटाई पश्चात् औषधीय पौधों का प्रसंस्करण

१०४. औषधीय पौधों की विपणन व्यवस्था

१०५. औषधीय पौधों के खरीददारों की सूची

१०६. औषधीय व सगंध पौधों के उन्नत बीज एवं पौधे मिलने के स्थान

१०७. औषधीय पौधों की खेती व व्यापार के लिये शासन की महत्वपूर्ण योजनायें

This is computer generated document and does not require signature

Scientific Publishers

Date :- Fri Mar 21 2025